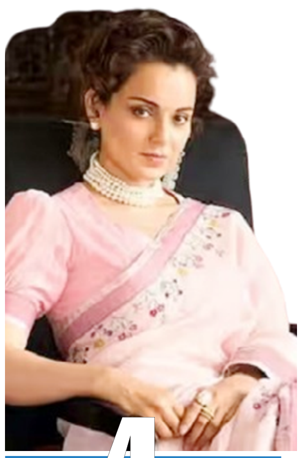

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'राजनीति में महिलाओं के लिए गरिमा नहीं'

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 57 ■ बुधवार 6 मई 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

होटल-रेस्टोरेंट में खाना होगा महंगा

महंगाई | **कमर्शियल गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से होटल चालक परेशान**

■ **होटल-रेस्टोरेंट वालों का आर्थिक गणित गड़बड़ाया**

उल्हासनगर. पिछले हफ्ते केंद्र सरकार द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी ने होटल बिजनेस, छोटे रेस्टोरेंट और घर का बना खाना देने वाले महिला बचत गट के लिए बड़ा फाइनेंशियल संकट पैदा कर दिया है। सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी से अब कई लोगों ने खाने की चीजों की कीमतें 10 फीसदी बढ़ाने का फैसला किया है।

नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की सप्लाई में अनिश्चितता के कारण इंटरनेशनल मार्केट में एनर्जी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इसका सीधा असर भारत में LPG और खासकर कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों पर पड़ा है। गैस के बढ़ते दाम ने कई छोटे होटल, रेस्टोरेंट, डब्बा सर्विस और स्ट्रीट फूड वेंडर का फाइनेंशियल हिसाब-किताब पूरी तरह बिगाड़ दिया।

इससे ठाणे, मुंबई, कल्याण, डोंबिवली और नवी मुंबई इलाकों के कई होटलों में काम करने वाले वर्कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में अपने गांव लौट गए। अब, कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ने से होटल और रेस्टोरेंट चलाने वाले बड़ी मुश्किल में हैं। अभी, छोटे बिजनेसमैन का फाइनेंशियल हिसाब-किताब पूरी तरह से बिगड़ गया है क्योंकि उन्हें एक कमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए 3,000 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। कुछ रेस्टोरेंट मालिकों ने चपाती, सब्जी, चावल, नाश्ते की चीजें और दूसरी रेगुलर खाने की चीजों की कीमतें बढ़ा दी हैं। चपाती, जो पहले करीब 7 रुपये की थी, अब 10 रुपये हो गई है।

> **खाने-पीने की चीज़ों की कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं...**
>
> कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी बहुत गलत है। गैस की कमी के कारण हमारे होटल बिज़नेस पहले से ही बड़ी मुश्किल में हैं। मज़दूरों के अपने गाँव लौटने से उन्होंने ज़्यादा कस्टमर को सर्विस देना भी बंद कर दिया है। होटल मालिक इतनी बड़ी बढ़ोतरी बर्दाश्त नहीं कर सकते। इस वजह से, खाने-पीने की चीज़ों की कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है।
>
> –रघुनाथ राय, सेक्रेटरी, ठाणे होटल एसोसिएशन

सब्ज़ी, जो पहले 30 से 35 रुपये की थी, अब 40 रुपये हो गई है। वहीं चावल, जो पहले 60 से 70 रुपये का था, अब 80 से 90 रुपये हो गया है।

होटल मालिकों के एसोसिएशन ने साफ़ संकेत दिया है कि प्रोडक्शन कॉस्ट में लगातार बढ़ोतरी के कारण खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों में बढ़ोतरी होना लाज़मी होगा। होटल मालिकों और रेस्टोरेंट मालिकों ने सरकार से कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर फिर से विचार करने की मांग की है। कुछ होटल मालिकों ने कहा, 'अगर यह कीमत बढ़ोतरी तुरंत कम नहीं की गई, तो बिज़नेस चलाना नामुमकिन हो जाएगा। प्रॉफ़िट कमाना तो दूर, हमें सिर्फ़ नुकसान उठाकर ही बिज़नेस चलाना पड़ेगा।'

मालशेज घाट में भीषण हादसा, 4 लोगों की मौत

ST और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर

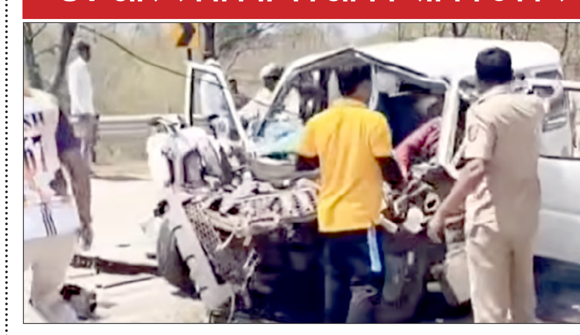

कल्याण. मालशेज घाट में एक ST और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर से जानलेवा हादसा हुआ है। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि यह दुर्घटना मुरबाड तालुका के पास वैशाखरे मोड़ पर ओवरटेक करने की कोशिश में हुआ।

इस बारे में मिली और जानकारी के मुताबिक, कल्याण से अहिल्यानगर की ओर जा रही बस को स्कॉर्पियो ने सामने से टक्कर मार दी। मोड़ पर ओवरटेक करने की कोशिश में ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया और यह हादसा हो गया। हादसा इतना भयानक था कि 4 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की खबर मिलने के बाद हाईवे पुलिस और लोकल अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मृतकों की पहचान करने का काम चल रहा है। घायलों को पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद राजमार्ग पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर मौजूद है। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अंबरनाथ गट का निर्णय 5 मई को भी नहीं आया

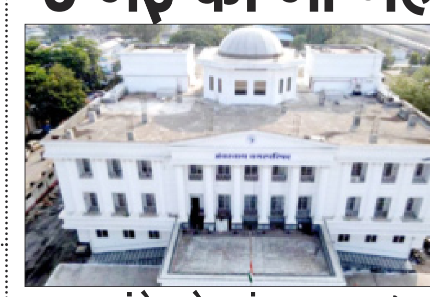

■ **12 कांग्रेस के एवं राकांपा के 4 नगरसेवकों का निर्णय भी लटका**

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा एवं शिवसेना के गट का निर्णय 5 मई मंगलवार को आने वाला था, लेकिन ये निर्णय अब तक नहीं आने से शहर में इस बात की चर्चा है कि जिलाधिकारी के पास 6 तारीखें मिलने के बाद भी निर्णय आ जाना चाहिए था. इस पर से शिवसेना के गट नेता रविंद्र करंजुले ने बताया कि ईमेल द्वारा उन्हें भाजपा गट नेता का निर्णय प्राप्त होगा. गट का निर्णय आने के बाद ही नपा के विषय समितियों एवं सभापति का चुनाव हो सकेगा. गट का निर्णय किसके पक्ष में आएगा ये कहा नहीं जा सकता. लेकिन 12 कांग्रेस के नगरसेवक, जिन्होंने अपने पक्ष को राम-राम बोलकर भाजपा में प्रवेश करके उनको समर्थन दिया था. उनका निर्णय एवं राकांपा के चार नगरसेवक जिन्होंने पहले भाजपा गट को समर्थन देकर बाद में शिवसेना गट को समर्थन दिया था. इनका निर्णय भी आना शेष है. साथ ही शिवसेना ने नगराध्यक्षा द्वारा तीन उनके पक्ष के नगरसेवकों के हक में स्वीकृत नगरसेवक चुनने का निर्णय दिया था. जिसकी शिकायत जिलाधिकारी से शिवसेना ने की है. इसका निर्णय भी आना शेष है. ये सभी मामले जिलाधिकारी के पास प्रलंबित होने से शहर का विकास लटका हुआ है. शिवसेना-भाजपा में युति ना होने से ये दोनों आपस में लड़ रहे हैं. तीन आमसभा स्थगित हो चुकी है. क्या होगा अंबरनाथ शहर का? चुनाव को पांच महिने बीत गए हैं,लेकिन शिवसेना-भाजपा की आपसी लड़ाई समाप्त नहीं हो रही है. जनता के सर में दर्द है कि उन्होंने वोट क्यों दिया.

उल्हासनगर मनपा ने सभी से सेल्फ-रजिस्टर करने की अपील की

उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य स्थापना दिवस उल्हासनगर महानगर पालिका में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महापौर अश्विनी कमलेश निकम के झंडा फहराने से हुई।

इस मौके पर कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने नागरिकों से 'भारत की जनगणना 2027' के तहत सेल्फ-रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से अपनी और परिवार की जानकारी सही-सही दर्ज करके देश के विकास की प्रक्रिया में योगदान देने की अपील की। यह जनगणना पूरी तरह से डिजिटल है और नागरिक CMMS पोर्टल के साथ-साथ वेबसाइट https://sec.census.gov.in से भी सेल्फ-रजिस्टर कर सकेंगे।

इसके लिए शहर में ट्रेंड एन्यूमरेटर और सुपरवाइजर नियुक्त किए जाएंगे, और नागरिकों को जरूरी गाइडेंस दी जाएगी। पहले चरण में नागरिकों को सेल्फ-रजिस्टर करना होगा। दूसरे चरण में एन्यूमरेटर हर घर में जाकर परिवार और इमारतों के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठा करेंगे। इस इवेंट में उप महापौर अमर लुंड, विपक्ष की लीडर अंजलि साल्वे, ग्रुप लीडर अरुण आशान, ग्रुप लीडर सुरेखा सोनवणे, सीनियर कॉरपोरेटर जमनादास पुरसवानी, मिलिंद बागुल, दिलीप गायकवाड़, शोभाताई जाधव और दूसरे लोग मौजूद थे।

ऐसी लोकल ट्रेन की छत पर चढ़ा युवक

■ **45 मिनट तक प्रभावित रही रेल सेवा**

कल्याण. मंगलवार 5 मई 2026 को विठ्ठलवाडी से कल्याण के बीच एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जब एक नशे की हालत में युवक एसी लोकल ट्रेन की छत पर चढ़ गया। इस घटना से रेलवे प्रशासन और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कड़ी मसक्कत के बाद युवक गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, दोपहर 2:03 बजे चल रही एसी लोकल ट्रेन विठ्ठलवाडी स्टेशन पर पहुंची, तभी एक युवक अचानक ट्रेन की छत पर चढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक नशे की हालत में था। मौके पर

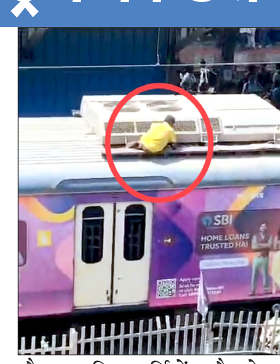

मौजूद पुलिसकर्मियों और रेलवे स्टाफ ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को सावधानीपूर्वक कल्याण स्टेशन तक लाया गया। इस दौरान यात्रियों में डर और तनाव का माहौल बना रहा। कल्याण स्टेशन पहुंचने के बाद रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 से 3 स्ट्रेचर हमाल ट्रेन की छत पर चढ़े और लगभग 2:50 बजे युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। इसके बाद उसे तुरंत रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के चलते करीब 45 मिनट तक ट्रेन सेवा प्रभावित रही। एसी लोकल काफी देर तक स्टेशन पर खड़ी रही, जिससे अन्य ट्रेनों की आवाजाही भी बाधित हुई और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

कॉन्ट्रैक्टेड सफाई कर्मचारी की पिटाई

उल्हासनगर. कोणार्क कंपनी का एक कॉन्ट्रैक्टेड सफाई कामगार थारा सिंह दरबार में सफाई कर रहा था। उसी समय एक गर्दुल्ले ने 'क्या देखता है...' बोलकर गुस्से में उसे पीटा. सेंट्रल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

महानगर पालिका ने उल्हासनगर में कचरा उठाने का कॉन्ट्रैक्ट कोणार्क कंपनी को दिया है। रविवार सुबह 7:30 बजे एक सफाई कामगार राहुल केडले थारा सिंह दरबार में सफाई कर रहा था। उसी समय एक गर्दुल्ला शंकर सालुंके ने पूछा कि राहुल उसे गुस्से से क्यों देख रहा है। फिर उसने अचानक उसे पीटना शुरू कर दिया। उसने उस पर हमला करने की भी कोशिश की। लढ़ा कामगार संगठन के प्रेसिडेंट संदीप गायकवाड़ ने एक्शन लेने की मांग की।

उल्हासनगर में फैक्ट्री में आग लगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर के धोबीघाट इलाके में स्थित एक कपड़े की फैक्ट्री (मनु टेक्सटाइल) में 4 मई 2026 को भीषण आग लगने की घटना सामने आई है.

आग इतनी भयानक थी कि इसमें लाखों रुपये का माल जलकर राख हो गया है। घटना की जानकारी मिलने पर उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ और सेंचुरी कंपनी की 12 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की। राहत की बात यह है कि इस हादसे में अभी तक किसी भी प्रकार की जनहानि (किसी के घायल होने या मृत्यु) की खबर नहीं है। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाई। आग में लाखों रुपये का कपड़ा जल गया। स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों की जांच कर रहे हैं।

21 तबेला मालिकों के खिलाफ केस दर्ज

कल्याण. दुर्गाडी फोर्ट और गोविंदवाड़ी इलाकों की नालियों में भैंसों का गोबर और पेशाब सीधे फेंकने का मामला अब तबेला मालिकों को भारी पड़ रहा है. KDMC के सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट ने इलाके में गंदगी करने के लिए 21 तबेला मालिकों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कल्याण के गोविंदवाड़ी, दुर्गाडी फोर्ट और रेतीबंदर इलाकों में कई भैंसों के तबेले हैं। ये तबेला मालिक भैंसों का गोबर और पेशाब सीधे नालियों में डाल देते हैं, जिसमें सीवेज होता है, लेकिन उसे ठीक से डिस्पोज नहीं किया जाता। इस वजह से, यहां की नालियां रेगुलर जाम रहती हैं। वहां के सीवेज के साथ-साथ भैंसों का मल भी हर दिन सड़क पर आता है, जिससे इलाके में बदबू और गंदी हालत फैलती है।

55 साल के भोंदू बाबा ने 13 साल की लड़की का किया यौन शोषण

■ **कब्रिस्तान में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया**

पालघर/कासा: राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं, वहीं एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें आदिवासी बहुल पालघर जिले के कासा पुलिस स्टेशन के अंदर एक 55 साल के भोंदू बाबा ने 13 साल की लड़की का यौन शोषण किया। उसने 13 साल की नाबालिग लड़की को अघोरी पूजा करने और दवा देने के बहाने यौन शोषण किया।

यह चौंकाने वाली घटना दो दिन पहले पालघर के कासा पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। पीड़ित लड़की की बड़ी बहन को पीरियड्स के दौरान ब्लीडिंग हो रही थी, इसलिए भोंदू बाबा ने उसे झूठा वादा किया था कि वह उसे देसी दवा देकर ठीक कर देगा। इसके मुताबिक, 4 मई की आधी रात को पीड़िता को अघोरी पूजा करने और दवा देने के बहाने कब्रिस्तान के पास बुलाया गया। वहां, उसने उसे बहला-फुसलाकर जंगल में ले जाकर रात करीब 1 बजे लड़की के साथ रेप किया।

घटना के बाद लड़की ने अपने परिवार को इस बारे में बताया। परिवार वालों ने 4 मई को कासा

पुलिस स्टेशन में 55 साल के ढोंगी आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने घटना का तुरंत संज्ञान लिया और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

इस मामले में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी समीर मेहर, कासा पुलिस निरीक्षक अमर पाटिल, पुलिस अंमलदार आर घाटल और कर्मचारियों की एक टीम आरोपी ढोंगी के खिलाफ तेजी से तलाशी अभियान चलाने के लिए रवाना हुई। इस पुलिस टीम ने सिर्फ दो घंटे में ढोंगी आरोपी शिवराम पराश सावर (निवासी सरशी पाटिलपाड़ा, ताल. विक्रमगढ़) को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ कासा पुलिस स्टेशन में POCSO समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है। ऑफिसर पाटिल इस केस में आगे की इन्वेस्टिगेशन कर रहे हैं।

झालमुडी खाकर भाजपा ने मनाया जीत का जश्न

अंबरनाथ. पश्चिम बंगाल-असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की धुरंधर जीत का जश्न अंबरनाथ भाजपा द्वारा उत्साहपूर्ण तरीके से मनाया गया. अंबरनाथ पूर्व के भाजपा कार्यालय से ढोल ताशे के साथ जुलूस निकाला गया. ये जुलूस छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर पहुंचने के बाद पटाखों की आतिशबाजी की गई और विजय का आनंद व्यक्त किया गया. जुलूस में बड़े पैमाने पर पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नगरसेवक उपस्थित थे.

पूर्व नगराध्यक्षा एवं भाजपा राज्य परिषद के सदस्य गुलाबराव करंजुले पाटिल, गट नेता अभिजीत करंजुले, नगरसेवक उमेश पाटिल, दर्शना पाटिल, विश्वजीत करंजुले, मारुति ढेरे आदि की प्रमुख उपस्थिति रही. गुलाबराव करंजुले ने तीनों राज्य में भाजपा की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में आज सही में सूर्योदय हुआ है. एक-दूसरे को रसगुल्ले और झालमुडी देकर एवं खाकर जश्न मनाया गया. अभिजीत करंजुले ने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है. इतिहास में बंगाल में भाजपा सत्ता में नहीं आई थी. आज से यहां पर न्याय होगा. कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

ठाणे जिले में स्वगणना प्रक्रिया शुरू

■ **घर बैठे कैसे रजिस्टर करें?**

■ **जानें पूरा प्रोसेस**

ठाणे. केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार, देश के साथ-साथ राज्य में भी जनगणना शुरू हो गई है, और इसी के तहत ठाणे जिले में स्वगणना प्रक्रिया शुरू हो गई है। इससे नागरिकों को घर बैठे ऑनलाइन जानकारी रजिस्टर करने की सुविधा मिली है। जिला प्रशासन सोशल मीडिया के ज़रिए इस रजिस्ट्रेशन को करने के तरीके के बारे में जागरूकता फैला रहा है।

केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार, महाराष्ट्र जनगणना निदेशालय द्वारा जनगणना की जा रही है। इसके तहत, नागरिकों को सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रोसेस के ज़रिए घर बैठे ऑनलाइन जानकारी रजिस्टर करने की सुविधा दी गई है।

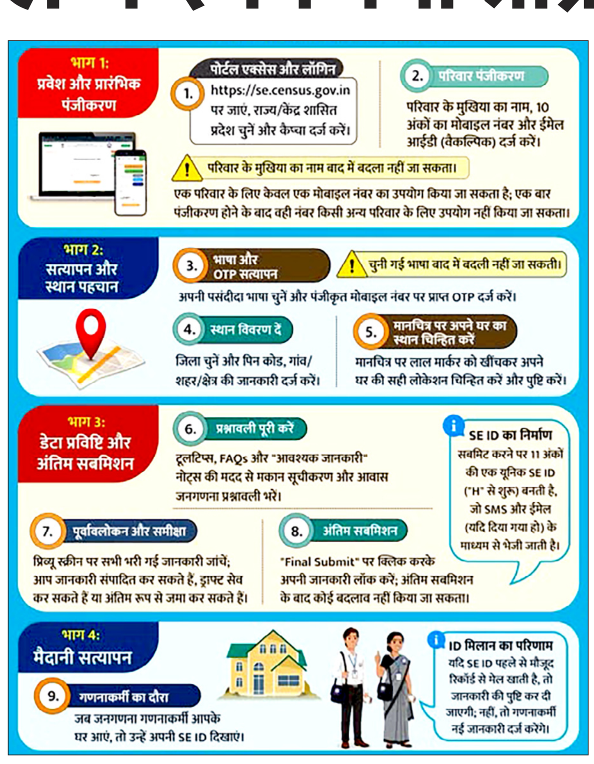

■ **15 मई तक की जा सकती है प्रक्रिया**

खुद से गिनती करने का प्रोसेस 1 से 15 मई, 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद, 16 से 24 जून, 2026 के बीच गिनती करने वाले सीधे घर की जनगणना करेंगे। जनगणना देश की आर्थिक, सामाजिक और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पॉलिसी के लिए एक ज़रूरी बेसिक प्रोसेस है।

इसलिए, हर नागरिक को इस प्रोसेस में हिस्सा लेना चाहिए और सही जानकारी देनी चाहिए। ठाणे जिले के नागरिक इस सुविधा का फ़ायदा उठा सकें और समय पर रजिस्ट्रेशन पूरा कर सकें, इसके लिए ज़िला प्रशासन सोशल मीडिया के ज़रिए जागरूकता फैला रहा है। इसके लिए पोस्टर के ज़रिए 10 स्टेप्स में रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करने की जानकारी दी गई है।

नरेश गायकवाड़ की जयंती पर पवन वालेकर, वालुंज की शुभेच्छा

■ **कबीर गायकवाड़ ने किया स्वागत**

अंबरनाथ. अंबरनाथ की जनता नरेश गायकवाड़ की हत्या, जो कि 8 नवंबर 2002 को हुई थी कैसे भूल सकती है. शिवसेना के देवराम वालुंज की भी हत्या हुई थी. शहर में कई महिनों तक खूनी संघर्ष छिड़ गय था. 24 वर्षों बाद दोनों के बीच की नफरत एवं दूरियां अब खत्म होती जा रही हैं. उसका ताजा उदाहरण अब शहर में देखने को मिल रहा है.

नगरसेवक पवन वालेकर और प्रकाश वालुंज ने महात्मा गांधी विद्यालय चौक पर नपा कार्यालय के समक्ष शहीद नरेश गायकवाड़ की जयंती पर शुभेच्छा का बैनर लगाने से शहर में एक सकारात्मक संदेश गया है. इस बैनर ने ये बता दिया है कि पुराने मतभेद भुलाकर आपस में एक होने की भावना सामने आ रही है. इस बैनर का एवं दोनों की शुभेच्छा का नरेश गायकवाड़ के सुपुत्र नगरसेवक कबीर गायकवाड़ ने स्वागत किया है.

हाल ही में हजरत गैबनशाह वली का उर्स संपन्न हुआ. उर्स के समय कोहोजगांव दर्गा के पास कबीर नरेश गायकवाड़, नगरसेवक पवन वालेकर और प्रकाश वालुंज सभी ने मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर अन्नदान करते हुए दिखाई दिए. इस कार्य से सामाजिक एकात्मता का संदेश भी शहर में और भी मजबूत हुआ है. शहरवासियों ने हिंदू-मुस्लिम सभी ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि अंबरनाथ शहर के विकास के लिए सभी का एक होना जरूरी है. इस कारण से शहर में शांति, अमन और विकास का रास्ता खुलेगा, ऐसी चर्चा शहर में चल रही है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सुरक्षा इंतजाम ही बने मौत की वजह

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार इलाके में एक रिहाइशी इमारत में आग से नौ लोगों की मौत की घटना को लेकर जो बातें सामने आई हैं, उनसे सुरक्षा प्रबंधों पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। इमारत में सेंधमारी से बचाव के लिए लगाई गई 'सेंट्रल लॉक' प्रणाली, लोहे की मोटी ग्रिल और निकास के लिए वैकल्पिक बंदोबस्त न होना जानलेवा साबित हुआ। सुरक्षा के नाम पर की गई इस व्यवस्था ने आग और धुएं से घिरे लोगों के बचाव के रास्ते को ही बंद कर दिया।

सवाल है कि बड़े शहरों में बनने वाले आवासीय परिसरों में सुरक्षा इंतजामों की समय-समय पर जांच क्यों नहीं की जाती? जब किसी इमारत में एक खतरे के मद्देनजर कोई सुरक्षात्मक प्रबंध किए जाते हैं, तो दूसरे जोखिमों को नजरअंदाज क्यों कर दिया जाता है! क्या भवन निर्माताओं के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी नहीं है कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवासीय परिसरों में सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जाएं?

गौरतलब है कि रविवार तड़के हुई आग की इस घटना के दौरान इमारत की बिजली आपूर्ति बंद हो जाने से 'सेंट्रल लॉक' प्रणाली ने भी काम करना बंद कर दिया और दरवाजा नहीं खुलने से लोग अंदर ही फंसे रह गए। जब बचाव कार्य शुरू हुआ, तो बंद बालकनी और इमारत में पीछे की ओर लगी लोहे की मोटी ग्रिल की वजह से लोगों को तत्काल बाहर नहीं निकाला जा सका। बाद में ग्रिल को काटकर रास्ता बनाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

यही नहीं, इमारत में आने-जाने के लिए केवल एक ही सीढ़ी थी, आपात स्थिति में निकासी के लिए वैकल्पिक मार्ग की कोई व्यवस्था नहीं थी। हैरत की बात है कि वाहनों और इमारतों में आग की घटना के दौरान 'सेंट्रल लॉक' प्रणाली की वजह से जान जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं, इसके बावजूद सुरक्षा के स्तर पर कहीं कोई गंभीरता नजर नहीं आती है। आवासीय इमारतों में सुरक्षा उपायों की गहन जांच-पड़ताल के बिना ही बिजली-पानी के कनेक्शन दे दिए जाते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि इस तरह की अनियमितता और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ न हो।

विमर्श

राष्ट्रीय राजनीति को बदलने वाले नतीजे

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणाम मिले-जुले रहे। असम, केरलम और पुडुचेरी के परिणाम अनुमानों के अनुरूप रहे तो पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजे अप्रत्याशित एवं नाटकीय राजनीतिक परिवर्तन को रेखांकित कर रहे हैं। असम के बारे में माना जा रहा था कि भाजपा सत्ता में वापसी करने में सफल रहेगी तो केरलम में कांग्रेस को कामयाबी मिलेगी। पुडुचेरी में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राह में कोई मुश्किल नहीं दिख रही थी। दो बड़े चुनावी राज्यों में से एक तमिलनाडु में नई-नवेली पार्टी टीवीके की भारी जीत ने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान किया तो बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने लंबे समय से कायम ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। इन दोनों बड़े राज्यों में भारी राजनीतिक उलटफेर हुआ है।

पिछले कुछ वर्षों में असम भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व वाले राज्य के रूप में उभरा है। लगातार सत्ता में रहने के बावजूद उसकी सीटों में बढ़ोतरी दर्शाती है कि जनता सरकार के कामकाज से काफी संतुष्ट है। 2023 में विधानसभा क्षेत्रों के नए सिरे से परिसीमन ने भी भाजपा को राजनीतिक ताकत बढ़ाई है। बोडोलैंड में सहयोगी दलों और असम गण परिषद के साथ ने भी पार्टी को मजबूती दी। कल्याणकारी योजनाओं और मुख्यमंत्री हिमंत की लोकप्रियता भी उसके पक्ष में जाती है। दूसरी ओर कांग्रेस सांगठनिक स्तर पर एकदम लुंज-पुंज हो गई है। चुनावों के दौरान ही उसकी राज्य

इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अलावा प्रचार अभियान समिति के प्रमुख जैसे दो दिग्गज नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। यह दर्शाता है कि राज्य की राजनीतिक हवा कांग्रेस के कितने विपरीत रही, जिसकी पुष्टि न केवल घटी हुई सीटों, बल्कि गौरव गोगोई जैसे नेता की हार में भी झलकती है, जिनके चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ रही थी।

केरलम में दस साल से वामपंथी सरकार सत्ता में थी, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में हर पांच साल में सरकार बदलने वाले राज्य के राजनीतिक रुझान को धता बताते हुए सत्ता में वापसी की थी। इसलिए यहां राजनीतिक परिवर्तन अवश्यंभावी माना जा रहा था। भाजपा यहां राजनीतिक पैठ बढ़ाने के प्रयास तो भरपूर कर रही है, पर वे फलीभूत नहीं हो पा रहे। वैसे भाजपा के इन प्रयासों की कीमत वाम दलों को चुकानी पड़ी, क्योंकि वह दक्षिण केरल और हिंदुओं विशेषकर एझावा जैसे उन समुदायों को साधने की जुगत में है, जो पारंपरिक रूप से वाम समर्थक माने जाते हैं। इसीलिए, केरलम की राजनीतिक लड़ाई में कांग्रेस के लिए कोई खास मुश्किल नहीं थी। केरलम से विदाई के बाद अब किसी भी राज्य में वामपंथी दलों की सरकार नहीं रह गई है।

बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर भले ही कुछ राजनीतिक प्रेक्षक हैरानी जताएं, लेकिन राज्य की सत्ता तक उसकी पहुंच बस समय की ही बात थी। वर्ष 2019 से हो रहे चुनावों के समय से ही भाजपा करीब 40 प्रतिशत मतों के स्तर पर अटकी थी और इसमें पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी उसे राज्य की कमान दिलाने को पर्याप्त थी। यह चुनाव उसके सत्तारोहण का पड़ाव बनकर उभरा। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की भूमिका को भी भाजपा की चुनावी जीत में एक कारक माना जा सकता है, लेकिन यही इकलौता कारण नहीं रहा। राज्य की ममता बनर्जी सरकार लंबे समय से कायम सत्ता से उपजे असंतोष से भी जूझ रही थी।

विभिन्न योजनाओं को लेकर केंद्र के साथ उनका टकराव भी एक वर्ग को अखर रहा था कि राज्य को इसके चलते अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। ममता बनर्जी की निजी लोकप्रियता के बावजूद उन्हें सबसे अधिक दुष्परिणाम अपने स्थानीय कार्यकर्ताओं के मनमानेपन और बाहुबलेपन का ही भुगतना पड़ा, जो लोगों को आतंकित करने के साथ ही उनके दैनंदिन जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप भी करते थे। इस बार चुनाव आयोग द्वारा मुहैया व्यापक सुरक्षा छत्र राज्य सरकार से कुपित मतदाताओं को आश्वस्त करने वाला साबित हुआ और मतदान के रुझान से लेकर परिणाम भी इस पहलू को पुष्ट करते हुए प्रतीत होते हैं। भाजपा ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में की गई गलतियों से सबक लेते हुए सकारात्मक अभियान पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका भी उसे लाभ मिला।

ध्यानाभ्यास के द्वारा जीवन के वो सभी रहस्य जो मानवता को उलझाए हुए हैं, सुलझ जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बदल रहा है जनता का राजनीतिक मूड

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के जैसे नतीजे सामने आए हैं, उनसे साफ है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में जहां मतदाताओं ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया, वहीं असम और पुडुचेरी में लोगों ने मौजूदा सरकार पर भरोसा कायम रखा। इसमें चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से आए, जहां चुनाव प्रचार के क्रम में बहुस्तरीय उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सत्ताधारी पार्टियों का प्रदर्शन बेहद कमजोर हो सकता है। इन राज्यों में इतने बड़े उलटफेर की उम्मीद कम ही लोगों ने की थी।

दरअसल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के प्रति दिखने वाला जनसमर्थन चुनाव और मतदान के मोर्चे पर उलट नतीजे देने वाला साबित हुआ। हालांकि राज्य में भाजपा ने जीत के लिए जिस स्तर पर जाकर मेहनत की, मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक राजनीति पर काम किया और यहां तक भावनात्मक मुद्दों का भी सहारा लिया, उसका साफ असर मतगणना और नतीजों पर दिखा। जाहिर है, लंबे समय के बाद अब पश्चिम बंगाल एक और सत्ता परिवर्तन का गवाह बन रहा है, जहां विचारधाराओं का सफर क्रमशः बदलता दिखा है।

वहीं तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को लेकर बहुत कम लोगों ने यह अंदाजा लगाया होगा कि चुनाव के परिणाम में उसकी स्थिति इस कदर खराब रहेगी। गौरतलब है कि फिल्मों की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति में आकर हाल के वर्षों में उभरे और अपने प्रशंसकों के बीच थलापति के नाम से मशहूर जोसेफ विजय ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य की राजनीति में बीते कुछ सालों से एकछत्र राज करने वाले नेता एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक को करारी शिकस्त दी। अब तमिलनाडु द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति के समांतर एक नए दौर में प्रवेश कर गया है।

यह देखने की बात होगी कि आने वाले वर्षों में यह राज्य किस राजनीतिक धारा का केंद्र बनेगा। जहां तक केरल का सवाल है, तो वहां आमतौर पर वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड लोकतांत्रिक मोर्चे के बीच सत्ता में फेरबदल होता रहा है। इस लिहाज से देखें तो दो कार्यकाल के बाद वामपंथी मोर्चा सत्ता से बाहर हुआ है और अच्छी उपस्थिति के साथ कांग्रेस को महत्त्वपूर्ण जीत मिली है।

इसके अलावा, असम में एक तरह से अपेक्षित नतीजे आए हैं, जहां भाजपा ने फिर से भारी जीत हासिल की है। यह तब भी संभव हुआ, जब राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के रुख को लेकर कई तरह के विवाद चुनाव प्रचार के केंद्र में रहे। इसी तरह, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी के परिणामों के मुताबिक, वहां सत्तारूढ़ राजग गठबंधन ने एक बार फिर बहुमत हासिल कर अपनी सत्ता कायम रखी।

कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत करीब सत्ताईस लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने को लेकर भी सवाल उठे।

इसके बावजूद राज्य में मतदान का कीर्तिमान कायम हुआ। बहरहाल, चुनाव प्रचार के दौरान चाहे जिस तरह की तल्खियां देखी गईं, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि एक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत समावेशी विकास सभी सरकारों का मुख्य उद्देश्य बने।

कैमरे में कैद हुई दुनिया की सबसे छोटी लोमड़ी

जरा हट के

गुजरात का 'लिटिल रण ऑफ कच्छ' अपनी अनूठी भौगोलिक परिस्थितियों और दुर्लभ वन्यजीवों के लिए विश्व प्रसिद्ध है. यहां जंगली गधों के अलावा कई प्रवासी पक्षियों का बसेरा रहता है, लेकिन हाल ही में यहां एक ऐसा जीव देखा गया है, जिसने वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स की नींद उड़ा दी है. सुरेंद्रनगर जिले के वन अधिकारियों ने नियमित गश्त के दौरान दुनिया की सबसे छोटी मानी जाने वाली फेनेक फॉक्स को कैमरे में कैद करने का दावा किया है. यह प्रजाति भारत में अत्यंत दुर्लभ है और इसका मिलना पारिस्थितिक तंत्र में हो रहे बड़े बदलावों की ओर इशारा कर सकता है. कैमरे में कैद हुई यह नन्ही लोमड़ी रण के वच्छराज बेट के पिछले हिस्से में देखी गई. वन विभाग की टीम जब गश्त पर थी, तब उन्हें यह असामान्य रूप से छोटा जीव नजर आया.

बता दें कि फेनेक फॉक्स का

वजन महज एक किलोग्राम के करीब होता है और इसकी लंबाई सिर्फ एक फीट के आसपास होती है. इसकी सबसे बड़ी पहचान इसके बड़े कान और हल्का पीला या भूरा फर होता है, जो इसे रेगिस्तानी तपिश में जीवित रहने में मदद करता है. फेनेक फॉक्स का मूल निवास स्थान उत्तरी अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान है. भारत में आमतौर पर डेजर्ट फॉक्स या इंडियन फॉक्स पाई जाती है, जो आकार में फेनेक से बड़ी होती है. वाइल्ड ऐस सैंक्चुअरी के वन अधिकारी बीएम पटेल ने बताया कि फेनेक फॉक्स का गुजरात में दिखना एक असाधारण और अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है. एक्सपर्ट्स को जांच के दौरान उस इलाके में काफी गहरी मांदें मिली हैं. इससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह जीव यहां थोड़े समय के लिए नहीं आया, बल्कि वह काफी लंबे समय से इसी इलाके में मांद बनाकर रह रहा था. यह लोमड़ी बेहद शर्मीली और सीक्रेट लाइफ जीने वाली मानी जाती है, जो मुख्य रूप से चूहों, छोटे पक्षियों, अंडों, छिपकलियों और कीड़े-मकौड़ों को अपना शिकार बनाती है. बता दें कि रण के इस इलाके में लोमड़ियों की संख्या पहले से ही चिंता का विषय रही है. आंकड़ों के अनुसार, इस पूरे क्षेत्र में अब तक केवल 153 लोमड़ियां ही दर्ज की गई हैं. ऐसे में एक नई और दुर्लभ प्रजाति का मिलना संरक्षण प्रयासों को नई दिशा दे सकता है.

ठंडा-ठंडा मैंगो कस्टर्ड

खाना-खजाना

अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि घर पर कस्टर्ड या तो बहुत पतला हो जाता है या उसमें गुठलियां पड़ जाती हैं, लेकिन फिक्र न करें। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं एक ऐसी परफेक्ट रेसिपी, जिससे आपका मैंगो कस्टर्ड एकदम बाजार जैसा गाढ़ा, क्रीमी और मखमली बनेगा।

सामग्री

दूधः 500 मिली (फुल क्रीम दूध हो तो ज्यादा अच्छा)

चीनीः आधा कप

कस्टर्ड पाउडरः 2 बड़े चम्मच

पके हुए आम का पल्प (गूदा): 1 कप

बारीक कटे हुए आम के टुकड़े: सजावट के लिए

ड्राई फ्रूट्सः काजू, बादाम और पिस्ता (इच्छा अनुसार)

बनाने की विधि

सबसे पहले एक भारी तले वाले बर्तन में दूध निकालें और उसे धीमी आंच पर उबलने के लिए रख दें। जब दूध में एक उबाल आ जाए, तो उसमें चीनी डाल दें और धीरे-धीरे चलाते रहें ताकि चीनी पूरी तरह घुल जाए। कस्टर्ड में गुठलियां तभी पड़ती हैं जब आप पाउडर को सीधे गर्म दूध में डाल देते हैं। इसके बजाय, एक छोटी कटोरी में थोड़ा सा ठंडा दूध लें और उसमें 2 चम्मच कस्टर्ड पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। ध्यान रहे कि इसमें एक भी गांठ न रहे।

अब तैयार किए हुए कस्टर्ड के घोल को उबलते हुए दूध में धीरे-धीरे डालें। एक हाथ से घोल डालें और दूसरे हाथ से दूध को लगातार चलाते रहें। इसे 3-4 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। आप देखेंगे कि दूध गाढ़ा होने लगा है। जब यह गाढ़ा हो जाए, तो गैस बंद कर दें और इसे पूरी तरह ठंडा होने दें। जब कस्टर्ड का मिश्रण कमरे के तापमान पर आ जाए, तब इसमें आम का पल्प मिलाएं। ध्यान रखें कि गरम कस्टर्ड में आम का गूदा न डालें, वरना स्वाद बिगड़ सकता है। अब इसे अच्छी तरह फेंट लें ताकि आम और कस्टर्ड एक-जान हो जाएं।

स्ट्रोक के बाद पूरी तरह ठीक क्यों नहीं होता मरीज!

- क्या होती है गोल्डन विंडो?
- डॉक्टर ने बताई बेहद जरूरी बात

भीषण गर्मी में अक्सर हीट स्ट्रोक के मामले देखने को मिलते हैं, इसके अलावा ब्रेन स्ट्रोक के केसेज भी आए दिन सामने आ रहे हैं. हालांकि भारत में स्ट्रोक के इलाज में पिछले कुछ साल में जबर्दस्त सुधार हुआ है. बेहतर इमरजेंसी केयर, तेज डायग्नोसिस और बेहतरीन मेडिकल सुविधाओं की वजह से अब पहले से कहीं अधिक मरीज स्ट्रोक से बच रहे हैं लेकिन इसके बावजूद एक ऐसी दिक्कत सामने आ रही है जो काफी गंभीर है. डॉक्टरों की मानें तो स्ट्रोक के इलाज के बाद मरीज जिंदा तो बच जाते हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक नहीं हो पाते और उन्हें लंबे समय तक विकलांगता के साथ जीवन जीना पड़ता है.

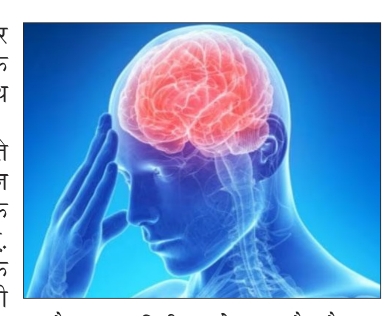

डॉक्टर ठुकराल कहते हैं, 'हमें स्ट्रोक के इलाज को सिर्फ जान बचाने तक सीमित नहीं रखना चाहिए. सबसे जरूरी है कि स्ट्रोक के बाद रिकवरी कितनी जल्दी, कितनी संरचित और कितनी प्रभावी तरीके से शुरू होती है?' डॉक्टर ठुकराल आगे कहते हैं कि स्ट्रोक के इलाज के बावजूद कुछ ऐसी बीमारियां हैं जो शरीर में बहुत तेजी से बढ़ती हैं. यही वजह है कि स्ट्रोक आने के बाद मरीज 2-4 दिन में सही नहीं होता बल्कि उसे पूरी तरह रिकवर होने में पूरे 3 महीने लग सकते हैं.

वे बताते हैं कि स्ट्रोक के बाद मरीजों को हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और बैठकर रहने वाली जीवनशैली की समस्याएं सबसे ज्यादा होती हैं जो उनकी क्ववालिटी लाइफ को पूरी तरह खराब कर देती हैं.

स्ट्रोक के बाद के हफ्ते बेहद अहम

डॉक्टर ठुकराल कहते हैं कि स्ट्रोक के बाद शुरुआती कुछ हफ्ते बेहद अहम होते हैं. इस दौरान दिमाग न्यूरोप्लास्टिसिटी की अवस्था में होता है, जहां वह खुद को फिर से व्यवस्थित करने और नई क्षमताएं विकसित करने में सक्षम होता है. अगर इस समय सही और लगातार रिहेबिलिटेट किया जाए, तो मरीज दोबारा चलना, बोलना और अपनी स्वतंत्रता वापस पा सकता है.'

गोल्डन विंडो का केयरटेकर भी रखें ध्यान

मरीज की रिकवरी का यह समय सीमित होता है. आमतौर पर यह अवधि कुछ हफ्तों से लेकर तीन महीने तक की होती है. अगर इस 'गोल्डन विंडो' को खो दिया जाए, तो रिकवरी की गति और प्रभाव दोनों ही काफी कम हो जाते हैं. जो सुधार कुछ हफ्तों में संभव था, वह महीनों में भी अधूरा रह सकता है या कभी पूरी तरह वापस नहीं आता.वे कहते हैं कि आज भारत में स्ट्रोक का इलाज मजबूत हो चुका है, लेकिन रिकवरी अभी भी कमजोर कड़ी बनी हुई है. देश को अब एक ऐसे हेल्थकेयर मॉडल की जरूरत है जहां रिकवरी को उतनी ही प्राथमिकता दी जाए जितनी इलाज को दी जाती है.

रिकवरी कोई हल्की या कभी-कभार होने वाली प्रक्रिया नहीं है. यह एक गहन, अनुशासित और समयबद्ध उपचार है, जिसमें रोजाना कई बार थेरेपी की जरूरत होती है और यह कई हफ्तों तक लगातार चलती है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शुरुआती चरण में गहन और बार-बार होने वाली थेरेपी को ही बेहतर परिणामों की कुंजी माना जाता है. इसका ध्यान स्ट्रोक के पेशेंट के साथ रहने वाले अटेंडेंट और केयरटेकर को भी रखना चाहिए.

आज का राशिफल

मेष : यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन : आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पारिवारिक चिंता रहेगी।

कर्क : आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी।

सिंह : नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या : बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। प्रसन्नता रहेगी। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी।

मकर : मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

कुंभ : व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन : उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कम दूध से निकालें ढेर सारा पनीर

ज्यादा मात्रा में और बेहतर क्वालिटी का पनीर पाने के लिए हमेशा फुल क्रीम दूध का ही चुनाव करें. सबसे पहले आधा लीटर दूध को एक भारी तले वाले बर्तन में डालें. भारी बर्तन होने से दूध नीचे जलता नहीं है. अब इसे तेज आंच पर उबालें. कुकिंग एक्सपर्ट मंजू मित्तल के अनुसार, दूध उबलते समय उसे बीच-बीच में चलाते रहना बेहद जरूरी है. इससे मलाई बर्तन के किनारों पर नहीं चिपकती और आपको दूध का पूरा फैट पनीर के रूप में मिलता है.

सीधे नींबू का रस डालने की गलती न करें-

जैसे ही दूध में एक तेज उबाल आ जाए, गैस को धीमा कर दें. अब बारी आती है दूध को फाड़ने की. अक्सर लोग सीधे नींबू का रस दूध में डाल देते हैं, जिससे पनीर सख्त और खट्टा हो जाता है. सही तरीका यह है कि एक चम्मच नींबू के रस में बराबर मात्रा में पानी मिला लें. यह पानी मिला हुआ घोल ही वह 'जादुई चीज' है जो आपके पनीर को सुपर सॉफ्ट बनाएगी. पानी मिला होने के कारण नींबू का एसिड दूध के संपर्क में धीरे-धीरे आता है, जिससे दूध के रेशे बहुत कोमलता से अलग होते हैं.

घोल डालने का सही प्रोसेस-

उबलते हुए दूध में नींबू का यह घोल कभी भी एक साथ न डालें. चम्मच की मदद से थोड़ा-थोड़ा घोल डालें और दूध को हल्के हाथों से हिलाते रहें. जैसे ही आपको लगे कि दूध से हल्का हरा पानी (Whey) अलग होने लगा है, घोल डालना तुरंत बंद कर दें. याद रखें, जरूरत से ज्यादा नींबू डालने से पनीर न केवल खट्टा हो जाएगा, बल्कि वह रबड़ जैसा खिंचने वाला भी बन सकता है.

तुरंत न छानें-

यही वह पॉइंट है जहां ज्यादातर लोग जल्दबाजी कर बैठते हैं. आमतौर पर हम दूध फटते ही उसे कपड़े में छान लेते हैं, लेकिन एक्सपर्ट की राय इससे अलग है. गैस बंद करने के बाद, फटे हुए दूध और पनीर को उसी बर्तन में लगभग 2 से 3 घंटे के लिए छोड़ दें. इस दौरान पनीर के छोटे-छोटे टुकड़े उस गर्म पानी को वापस सोख लेते हैं. इससे पनीर का वजन और वॉल्यूम काफी बढ़ जाता है और वह पहले से कहीं ज्यादा फूला हुआ और सॉफ्ट नजर आता है.

परफेक्ट शेप और स्टोर करने का तरीका-

3 घंटे बाद, एक मलमल के कपड़े में पनीर को छान लें. कपड़े को चारों तरफ से समेटकर एक पोटली बना लें और उसका अतिरिक्त पानी हल्के हाथों से निचोड़ दें. अब इसे किसी भारी चीज (जैसे चकला या भारी बर्तन) के नीचे 20-30 मिनट के लिए दबाकर रख दें ताकि यह एक परफेक्ट शेप ले ले. इस तरीके से तैयार पनीर बाजार जैसा मोटा और स्पंजी बनेगा.

भिंडी पकाते समय हो जाती है चिपचिपी और लिसलिसी?

- इन 2 स्टेप्स को करें फॉलो
- बनेगी हरदम क्रिस्पी, स्वादिष्ट

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जिसे बच्चे भी खाना पसंद करते हैं. 12 महीने मिलने वाली भिंडी स्वादिष्ट तो लगती ही है, हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद है. भिंडी में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जैसे फाइबर, विटामिन सी, के, बी9, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम आदि. हालांकि, लोगों को ये सब्जी पसंद तो होती है, लेकिन सही से बनाना नहीं आता, इसलिए ये बहुत अधिक काटते और पकाते समय चिपचिपी और लिसलिसी सी हो जाती है.

मास्टर शेफ पंकज भदौरिया के अनुसार, भिंडी को पकाते समय या काटते समय आप इन दो बातों का ध्यान रखेंगे तो इसे चिपचिपा होने से बचा सकते हैं. ये आसान 2 स्टेप्स जरूर अपनाएं:

- जब आप भिंडी की सब्जी बनाने के लिए उसे पानी से धोएं तो डायरेक्ट काटना ना शुरू कर दें. काटने से पहले अच्छी तरह भिंडी को सुखा लें.
- जब आप भिंडी को पकाएं, तो इसमें थोड़ा सा नींबू का रस, दही या कोई खट्टा पदार्थ मिला दें. इससे इसकी लसलसाहट कम हो जाती है.

ये नुस्खे भी आजमाएं

- हमेशा भिंडी को तेल में डालकर पहले तेज आंच पर पकाएं. धीमी आंच पर पकाने से भिंडी लिसलिसी हो जाती है.
- बार-बार चलाते ना रहें. इससे भिंडी टूटकर लिसलिसी हो जाती है. ढक्कन लगाकर न पकाएं, इससे भी भाप के कारण भिंडी चिपचिपी हो सकती है.
- सही तेल की मात्रा हो, जब आप भिंडी में ज्यादा तेल डालकर भूनेंगे तो चिपचिपापन कम होता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दरिंदे को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा, रेप में सफल न होने पर जिंदा जला दिया था महिला को

मथुरा. मथुरा के एक गांव में रेप में सफल न होने पर महिला को जिंदा जला देने वाले दरिंदे को उसके किए की सजा सुना दी गई है। मथुरा के जिला जज विकास कुमार की अदालत ने मंगलवार को उसे फांसी की सजा सुनाई। मथुरा में यह जघन्य वारदात करीब 13 महीने पहले 11 मार्च 2025 को हुई थी। महिला को आग लगाने के बाद भाग रहा आरोपी छत से कूद कर घायल हो गया था। घटना मथुरा के फरह थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। इस गांव में पलवल (हरियाणा) के हसनपुर का रहने वाला उमेश पुत्र लक्ष्मण 11 मार्च 2025 की दोपहर महिला का वेश धारण कर घर में घुस गया था। उमेश ने महिला के साथ दुराचार करने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसने महिला पर ज्वलनशील पदार्थ डाल कर उसे जला दिया।

यूपी में हिस्ट्रीशीटर सचिन यादव की हत्या

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हिस्ट्रीशीटर सचिन यादव की हत्या कर दी गई है। मंगलवार को सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक स्कूल के पीछे सचिन यादव की लाश मिली। बदमाश उसकी हत्या कर लाश को वहां फेंक गए। सचिन यादव के सिर पर चोट के गंभीर निशान पाए गए हैं। पिछले साल दीवाली में सचिन यादव के भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सचिन यादव के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज थे। वह लखनऊ के पीजीआई थाने का हिस्ट्रीशीटर था। सचिन यादव इसी महीने से जेल से छूटकर बाहर आया था। पुलिस सचिन यादव के हत्यारों का पता लगाने में जुटी है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर हादसा, खड़े कंटेनर से टकराई डबल डेकर बस, 26 यात्री घायल

बदायूं. बदायूं में लुधियाना से हरदोई जा रही डबल डेकर बस गंगा एक्सप्रेस वे पर सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से जा टकराई। हादसे में बस में सवार 26 यात्री घायल हो गए। जबकी गंभीर रूप से घायल 18 यात्रियों को संभल के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा बाकी लोगों को बहजोई सीएचसी ले जाया गया। हादसा गंगा एक्सप्रेसवे पर सुबह पांच बजे इस्लामनगर इलाके में टोल प्लाजा चंदोई के पास समय हुआ।

पंजाब के लुधियाना से 26 मजदूरों को लेकर डबल डेकर बस हरदोई जा रही थी। सुबह पांच बजे बस जैसे ही इस्लामनगर के चंदोई गांव के समीप टोल प्लाजा के पहले पहुंची, तभी सड़क किनारे पहले से खड़े कंटेनर से पीछे से जा टकराई। धमाके के साथ बस में सवार यात्रियों में चीखपुकार मच गई।

भाई को फंसाने के लिए युवक ने खुद को मारी गोली

बुलंदशहर. बुलंदशहर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के गांव धरारी में सोमवार की शाम प्रॉपर्टी विवाद में छोटे भाई को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिए खुद अपने पांव में गोली मार ली। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने घायल युवक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार धरारी गांव निवासी मिथुन सोलंकी का रियल एस्टेट और ट्रेवल्स का कारोबार है। वर्तमान में वह परिवार के साथ नोएडा में रह रहे हैं और उनका एक ऑफिस खुर्जा में ढाकर मोड़ पर है। सोमवार शाम को उसमें और उसके छोटे भाई में प्रॉपर्टी को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान मिथुन सोलंकी ने तमंचे से खुद को गोली मारकर घायल कर लिया। जिसके बाद अपने छोटे भाई पर गोली मारने का आरोप लगाया। गोली मारकर खुद को घायल करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

अमित शाह चुनेंगे बंगाल का सीएम

- **बंगाल में नई सरकार की शपथ 9 मई को**

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में अपने विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पार्टी का केंद्रीय पर्यवेक्षक नामित किया। पार्टी ने असम में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा को भी केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया। BJP प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के मुताबिक नई सरकार का शपथग्रहण 9 मई को होगा।

पार्टी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को असम में भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सह-पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को

पश्चिम बंगाल में भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

- **बंगाल में भाजपा की बंपर जीत**

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सोमवार को 206 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल कर इतिहास रच दिया और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 है। हालांकि, फालता में मतदान रद्द होने के कारण 293 निर्वाचन क्षेत्रों के मतों की गिनती हुई और इस वजह से फिलहाल बहुमत का आंकड़ा 147 है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के पारंपरिक गढ़ों में सेंध लगाई और शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपना जनाधार बढ़ाया। इस जीत के साथ, भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाएगी। निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा ने 206 सीटें जीत लीं हैं।

- **असम में हैट्रिक**

बात असम की करें तो यहां पर एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। उसने 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीट जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने हाल के समय का अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जिन 90 सीट पर चुनाव लड़ा उनमें से 82 पर जीत हासिल की। जबकि उसके सहयोगी दलों - बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 11 सीट पर चुनाव लड़ा और 10 सीट पर जीत हासिल की। असम गण परिषद (अगप) ने 26 सीट पर चुनाव लड़ा जबकि 10 सीट पर जीत दर्ज की। भाजपा ने राज्य में पहली बार अपने दम पर बहुमत हासिल किया। इससे पहले उसने 2021 और 2016 में 60 सीट जीती थीं।

देश की 78% आबादी और 72% भूभाग पर अब भाजपा+ का राज

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

ममता बोलीं-हारे नहीं, हराया गया

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। ममता ने कहा कि हम चुनाव हारे नहीं हैं, हमें हराया गया है। ममता ने कहा- हमारी लड़ाई बीजेपी से नहीं, विलेन चुनाव आयोग है। भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से 100 सीटें लूटीं।

ममता ने कहा- चुनाव से दो दिन पहले ही हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। IPS-IAS अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। SIR में 90 लाख नाम हटा दिए गए थे। उन्होंने बहुत गंदे और चालाक तरीके अपनाए।

ममता ने आरोप लगाया कि सोमवार को काउंटिंग सेंटर के अंदर उनके साथ धक्का-मुक्की, मारपीट और बदसलूकी की गई। ममता ने कहा- उन्होंने मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। धक्का देकर बाहर निकाला।

भगवंत मान ने राष्ट्रपति से राघव चड्ढा की शिकायत की

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों के बीजेपी जॉइन करने के खिलाफ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। मान सुबह ही 90 विधायकों को 3 वॉल्वो बसों में लेकर दिल्ली पहुंचे थे। राष्ट्रपति से मिलने के बाद मान ने मीडिया से बातचीत में राष्ट्रपति से हुई बातचीत का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने राष्ट्रपति को बताया कि पूरी पार्टी दो तिहाई बहुमत से दूसरी पार्टी में मर्ज हो सकती है, सिर्फ एक हाउस के 6-7 लोग ऐसा कहें तो यह मनमानी नहीं चलेगी। यह लोकतंत्र का मजाक है। मैंने बताया कि पंजाब में भाजपा के विधायक 2 हैं और राज्यसभा के 6 सांसद हो गए, यह संविधान का मजाक है। मैंने संविधान में संशोधन कर राइट टू रिकॉल की मांग की। मैं राष्ट्रपति को लंबा-चौड़ा पत्र देकर आया हूं। इलेक्टेड और सिलेक्टेड में फर्क होता है। इनकी मान्यता रद्द की जानी चाहिए।'

तमिलनाडु में गठबंधन गेम शुरू

- **TVK के साथ कांग्रेस की 'डील'**
- **जानें मंत्रिमंडल बंटवारे का फॉर्मूला**

नई दिल्ली. तमिलनाडु में इतिहास रचने वाला राजनीतिक परिवर्तन नजर आ रहा है। विधानसभा चुनाव में एक भी दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने के बाद राज्य दशकों बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनाने जा रहा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कजगम (TVK) सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, लेकिन 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों से कम प्राप्त करने के कारण अब गठबंधन की राह अपनाई जा रही है।

मंगलवार को टीवीके मुख्यालय में विजय द्वारा नवनिर्वाचित विधायकों के साथ की गई बैठकों में गठबंधन की रूपरेखा साफ होने लगी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस (5 सीटें), वीसीके (2), सीपीआई (2) और सीपीआई(एम) (2) के कुल 11 विधायकों का समर्थन टीवीके को बहुमत दिलाने के लिए पर्याप्त होगा। रिपोर्ट के अनुसार, इन दलों के साथ अनौपचारिक बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि उन्होंने गठबंधन सरकार बनाने की इच्छा जताई है। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, वीसीके प्रमुख थ ोल थिरुमावलवन ने कहा कि जनता गठबंधन सरकार चाहती है। हम और वामपंथी दल राज्य में धर्मनिरपेक्ष मोर्चे के तहत काम करेंगे। वहीं, टीवीके सूत्रों ने बताया कि विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान ही गठबंधन सरकार के विचार का समर्थन किया था।

मंत्रिमंडल बंटवारे का फॉर्मूला

रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित गठबंधन के तहत कांग्रेस को दो मंत्रालय मिलने की संभावना है, जबकि वीसीके और वाम दलों को एक-एक मंत्रालय दिए जा सकते हैं। टीवीके अपने सहयोगियों को कुल 4 से 6 मंत्री पद सौंपने की तैयारी में है, ताकि अनुभव की कमी को पूरा किया जा सके। यहां ये बताना जरूरी है कि टीवीके के अधिकतर विधायक पहली बार चुने गए हैं। ऐसे में विजय को अनुभवी और जानकार लोगों की जरूरत है।

यही कारण है कि सरकार में प्रशासनिक मजबूती के लिए टीवीके पूर्व आईएएस अधिकारी और भ्रष्टाचार विरोधी छवि वाले यू सगायम को विधानसभा में लाने की रणनीति बना रही है। संभावना है कि विजय द्वारा जीती गई तिरुचि पूर्व सीट से उपचुनाव कराकर उन्हें विधायक बनाया जाए।

बताया जा रहा है कि आज (मंगलवार) टीवीके विधायकों द्वारा विजय को विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद राज्यपाल उन्हें

केरल ने बचाई कांग्रेस की इज्जत!

2021 से 19 सीटें ज्यादा जीतीं, मगर फिर भी हुए 3 बड़े नुकसान

नई दिल्ली. 4 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं। कांग्रेस के लिए ये परिणाम कुछ खास उत्साह पैदा करने वाले नहीं हैं, लेकिन नंबर गेम के लिहाज से भारत की सबसे पुरानी पार्टी खुशी मना सकती है। मगर गौर से देखने पर यही नंबर परेशानी की वजह भी बनते दिखाई दे रहे हैं। 4 मई को आए नतीजों में केरल एकमात्र ऐसा राज्य रहा, जिसने कांग्रेस की डूबती नाव को सहारा दिया। वहीं दूसरी तरफ तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में कांग्रेस की इज्जत डूबती नजर आ आई।

केरल में जीत पर पार्टी खुशी मना सकती है, लेकिन...

विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखने पर साफ-साफ दिखाई देता है कि केरल में कांग्रेस ने बड़ी बढ़त हांसिल की है। पश्चिम बंगाल से भी राहत भरी खबर है, लेकिन बाकी के 2 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश से कांग्रेस के लिए बुरी खबर है। 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 22 सीटें अपने नाम की थीं। इस बार ये नंबर बढ़कर 63 हो गया है। पश्चिम बंगाल में बीते चुनाव में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला था, लेकिन इस बार 2 सीटें जीतकर भारत की सबसे पुरानी पार्टी खुशी मना सकती है।

19 सीटें ज्यादा जीतीं, मगर फिर भी 3 बड़े नुकसान

2026 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सबसे बड़ा नुकसान तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में देखने को मिला है। 2021 के चुनाव में तमिलनाडु में कांग्रेस ने 18 सीटें जीतीं थीं, लेकिन इस बार ये घटकर 5 रह गईं। ऐसी ही कमी असम में देखने को मिली। कांग्रेस ने असम के 2021 चुनाव में 29 सीटें जीती थीं, जबकि इस बार 19 सीटों को अपने नाम किया है।

तीसरा नुकसान पुडुचेरी में हुआ है। यहां पार्टी ने 1 सीट खोई है। ऐसे में साफ है कि पार्टी अपना जनाधार बचाने में कामयाब नहीं हो पा रही है।

भाजपा की जीत पर डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को दी बधाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई के हवाले से कहा गया कि यह ऐतिहासिक और निर्णायक जीत है, क्योंकि पहली बार बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल की है। ट्रंप ने इस जीत को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के मजबूत समर्थन का प्रतीक बताया और पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

घर में झाड़ू पोछा करने वाली कलिता माझी बनीं विधायक

कोलकाता. भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जो बहुमत के आंकड़े से काफी ज्यादा है। इनमें एक सीट ऐसी भी है, जिसने घरों में सफाई करने वालीं 37 साल की कलिता माझी को विधानसभा तक पहुंचा दिया है। खास बात है कि भाजपा से टिकट मिलने के बाद भी वह लगातार घरों में काम कर रहीं थीं। इससे पहले वह 2021 में चुनाव हार चुकी हैं।

कलिता माझी ने बंगाल की औसग्राम सीट से चुनाव लड़ा था। यहां उन्होंने तृणमल कांग्रेस प्रत्याशी

श्याम प्रसन्न लोहार को 12 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। माझी को कुल 1 लाख 7 हजार 692 वोट मिले थे। सीट पर तीसरे स्थान पर लेफ्ट नेता चंचल कुमार माझी रहे और महज 2 हजार 82 मतों के साथ चौथे स्थान पर तापस बराल रहे।

- **2500 रुपये महीने में करती थीं काम**

गुसकारा क्षेत्र की रहने वालीं कलिता चुनाव में उतरने से पहले 4 घरों में घरेलू काम करती थीं और उनकी आय 2500 रुपये प्रतिमाह थी।

कहा जा रहा है कि स्थानीय स्तर पर उनका जुड़ाव बड़ी वजह रहा कि भाजपा ने उन्हें 2021 की हार के बाद भी फिर टिकट दिया। बीते विधानसभा चुनाव में वह टीएमसी उम्मीदवार से 11 हजार 815 वोटों से हारी थीं।

मुंबई की स्थिति में बदलाव नहीं जीत के बावजूद नंबर-9 पर

- **चेन्नई-दिल्ली प्लेऑफ की उम्मीदें कायम**

मुंबई इंडियंस की टीम जीत की राह में लौट आई है। सोमवार को टीम ने IPL में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। लेकिन, लखनऊ सुपर जायंट्स पर जीत के बावजूद मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल में मुंबई की स्थिति में बदलाव नहीं हुआ। टीम अब भी 9वें स्थान पर है।

वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। मुंबई ने 229 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। विल जैक्स ने आवेश खान की बॉल पर छक्का मारकर टीम को जीत दिला दी। मैच का स्कोरबोर्ड

- **मुंबई लगातार 3 हार के बाद जीती**

मुंबई इंडियंस ने मौजूदा सीजन में लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा है। वहीं, लखनऊ की टीम ने लगातार छठा मैच गंवाया है।

मुंबई ने 10 मैच खेल लिए हैं। टीम के पास 3 जीत के साथ 6 अंक हैं। टीम 7 मैच हारने की वजह से पॉइंट्स टेबल के 9वें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट भी माइनस में है।

लखनऊ ने 9 में से महज 2

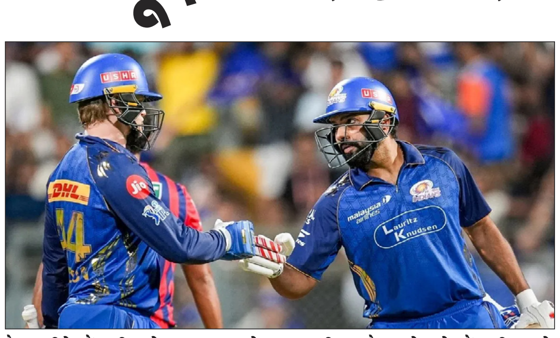

मैच जीते हैं। टीम के पास सबसे कम 4 अंक ही है। लखनऊ पाइंट्स टेबल के सबसे निचले पायदान पर है।

- **चेन्नई प्लेऑफ की रेस में कायम**

मौजूदा सीजन में धोनी के बिना खेल रही चेन्नई प्लेऑफ की रेस कायम है। उसने अब तक 9 मैच खेले हैं और 4 जीत के सहारे 8 अंक हासिल किए हैं। टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बाकी के सभी मुकाबले जीतने होंगे। हारने की स्थिति में टीम को अन्य टीमों के प्रदर्शन निर्भर रहना होगा।

- **दिल्ली के लिए हर मैच जीतना जरूरी**

अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली ने भी 9 मैचों में 8 अंक हासिल कर लिए हैं। लेकिन, टीम खराब नेट रन रेट कारण के कारण चेन्नई से एक पायदान नीचे हैं। दिल्ली को भी अभी 5 मैच खेलने हैं। टीम को सभी मैच जीतने होंगे। आज हारने पर दिल्ली को दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर रहना होगा।

- **राहुल के पास ऑरेंज कैप हासिल करने का मौका**

मुंबई-लखनऊ मैच के बाद सीजन के टॉप स्कोरर की लिस्ट के टॉप-3 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अभिषेक शर्मा 10 मैचों में 440 रन के साथ टॉप पर हैं। दिल्ली के केएल राहुल (433 रन) दूसरे और हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 425 के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आज केएल राहुल टॉप पर आ सकते हैं।

मैच के बाद टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में बदलाव नहीं हुआ है। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज एक समान 17-17 विकेट के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात के कगिसो रबाडा 16 विकेट लेकर नंबर-3 पर हैं।

पेड़ा जरूर बनेगा, जो कहता हूं उससे पीछे नहीं हटता

- **असम जीतते ही हिमंत की पवन खेड़ा को चेतावनी**

नई दिल्ली. असम विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को फिर से चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि पेड़ा जरूर बनेगा, क्योंकि मैं जो एक बार कह देता हूं, उससे पीछे नहीं हटता। खेड़ा ने राज्य चुनाव के दौरान हिमंत और उनकी पत्नी रिंकी पर कई आरोप लगाए थे, जिसके बाद असम पुलिस दिल्ली पहुंची थी। मामला बढ़ने के बाद सुप्रीम कोर्ट से

पिछले दिनों खेड़ा को अग्रिम जमानत मिल गई।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, "पेड़ा जरूर बनेगा। एक बार मैं कुछ कह देता हूं, उससे पीछे नहीं हटता। पवन खेड़ा के लिए मेरा कमिटमेंट है। सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें बोल दिया है असम के थाने में आकर हाजिरी लगाने के लिए। बाकी आप आगे आगे देखते रहिए। एक बार जब हिमंत कुछ बोल देते हैं तो शायद ही पीछे पलटकर देखते हैं। आगे देखते रहिए। पवन खेड़ा को मैं धन्यवाद देता हूं। उनका आरोप जो असम की बेटियों पर था, इससे लोग भावुक हो गए। शायद वे प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करते और गौरव गोगोई साथ नहीं बैठते तो वे (गोगोई) नहीं हारते। वे आरोप मेरे नहीं, असम की बेटियों पर थे।"

सरमा ने सोमवार को कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा उनकी पत्नी पर लगाए गए आरोपों ने लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई, क्योंकि यह एक असमिया महिला को बदनाम करने का प्रयास था। उन्होंने कहा कि जब आरोप लगाए जा रहे थे, उस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई का खेड़ा के साथ मंच साझा करना, संभवतः गोगोई की चुनावी हार का एक कारण हो सकता है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा, "मेरा खेड़ा से वादा है...आप सब इस फिल्म का इंतजार कीजिए।"

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर होगी 38, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को लेकर मंगलवार को अहम फैसला लिया। कैबिनेट ने SC में न्यायाधीशों की कुल संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने की मंजूरी दे दी। यह फैसला छह साल बाद लिया गया है, जब 2019 में इसे 31 से बढ़ाकर 33 किया गया था। सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद सुप्रीम कोर्ट को और मजबूत करना व न्याय प्रक्रिया को तेज करना है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं।

सुप्रीम कोर्ट का ट्रांसजेंडर संशोधन एक्ट पर केंद्र-राज्यों को नोटिस

- **6 हफ्ते में जवाब मांगा**
- **सिंघवी बोले- संशोधन पहचान खुद तय करने का अधिकार छीनता है**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले पर 6 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी।

- **सिंघवी बोले- NALSA जजमेंट के खिलाफ है नया संशोधन**

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधन पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' (अपनी पहचान खुद तय करने) का अधिकार छीनता है। यह 2014 के ऐतिहासिक NALSA जजमेंट के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने खुद की लैंगिक पहचान चुनने को मौलिक अधिकार घोषित किया था।

- **CJI ने पूछा- क्या लोग फर्जी पहचान बनाकर फायदा नहीं उठाएंगे?**

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' के अधिकार को लेकर कुछ चिंताएं जताईं। उन्होंने पूछा, 'क्या इससे कोई खतरा पैदा नहीं होता? क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते जो ट्रांसजेंडर होने का दिखावा करें ताकि उन्हें इस समुदाय के लिए तय आरक्षण या विशेषाधिकारों का लाभ मिल सके?'

इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि उनकी जानकारी के अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अभी कोई आरक्षण लागू नहीं है, इसलिए गलत इस्तेमाल की संभावना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर 0.01% मामलों में दुरुपयोग की गुंजाइश है भी, तो इसके आधार पर बहुसंख्यक समुदाय के आर्टिकल 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) के अधिकार को सस्पेंड नहीं किया जा सकता।

मेडिकल बोर्ड की सिफारिश अब जरूरी होगी

जस्टिस बागची ने इस दौरान टिप्पणी की कि विधायिका किसी फैसले के आधार को बदल सकती है। नए संशोधन के बाद अब ट्रांसजेंडर पहचान के लिए व्यक्ति की अपनी इच्छा के बजाय 'मेडिकल इवैल्यूएशन' यानी डॉक्टरी जांच को आधार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अब मेडिकल बोर्ड की सिफारिश के बाद ही पहचान पत्र जारी करेंगे, जो निजता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है।

संक्षेप...

जुबेर अंसारी पर UAPA लागू, ATS कस्टडी 11 मई तक बढ़ी

मुंबई. मीरा रोड में हुए सनसनीखेज 'लोन वुल्फ' हमले के मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी जुबेर अंसारी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) लागू कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (ATS) कस्टडी को बढ़ाकर 11 मई तक कर दिया है।

इस मामले में आरोपी पर आरोप है कि उसने मीरा रोड के एक निर्माणाधीन स्थल पर तैनात दो सुरक्षा गार्डों पर धारदार हथियार से हमला किया था।

'ठाणे जिले को 'ड्रग फ्री' बनाने के लिए सभी एजेंसियों को साथ आना चाहिए'

ठाणे. निवासी उपजिलाधिकारी डॉ. संदीप माने ने कहा कि ठाणे जिले को ड्रग फ्री बनाने के लिए सिर्फ एक विभाग नहीं, बल्कि सभी सरकारी विभागों को तालमेल और असरदार तरीके से काम करने की जरूरत है। इस मीटिंग में डॉ. माने ने पुलिस, रेवेन्यू, हेल्थ और एक्साइज डिपार्टमेंट को साफ निर्देश दिए कि ये सभी एजेंसियां ड्रग स्मगलिंग रोकने के लिए एक-दूसरे से जानकारी का आदान-प्रदान करके जॉइंट ऑपरेशन की स्पीड बढ़ाएं। स्मगलिंग की मौजूदा स्थिति का रिव्यू किया जाए और रोकथाम के उपायों पर जोर दिया जाए।युवाओं को ड्रग की लत से बचाने के लिए स्कूल और कॉलेज में जागरूकता कैंपेन सख्ती से प्लान करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जिले में नशा मुक्ति केंद्रों को प्रशासन की तरफ से ज़रूरी टेक्निकल मदद और गाइडेंस दी जाएगी।इस मीटिंग में ठाणे शहर की पुलिस उपाधीक्षक भोसले, पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र निकम, समीर शेख, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर लहू सतपुते के साथ-साथ इंडस्ट्रियल सेफ्टी, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशन डिपार्टमेंट, जिला परिषद सोशल वेलफेयर, एग्रीकल्चर, सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST), पोस्टल और स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारी मौजूद थे।ठाणे जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की तरफ से उठाया गया यह एक अहम कदम है, और इस मीटिंग में आगे की स्ट्रैटेजी पर भी डिटेल में चर्चा की गई।

भिवंडी महापौर की सिफारिश पर मनपा के नौ कर्मचारियों का निलंबन रद्द

भिवंडी. पिछले माह भिवंडी मनपा के 9 कर्मचारियों को निलंबित करके नगर प्रशासन ने अन्याय किया, यह आरोप लगाते हुए भारतीय श्रमिक संघ के अध्यक्ष भानुदास भासले, सचिव श्रीपत तांबे, मुख्य सलाहकार नगरसेवक प्रशांत लाड, शेखर जाधव, रविंद्र वारघड़े, चंद्रकांत भोइर और पदाधिकारियों ने आयुक्त और महापौर नारायण चौधरी को मनपा के इस कार्रवाई की ओर ध्यान दिलाया कि यह अनुचित है। इसके बाद, महापौर नारायण चौधरी ने पहल करते हुए आयुक्त अनमोल सागर को पत्र लिखकर इन कर्मचारियों को तत्काल नौकरी पर वापस रखने की मांग की। उनकी मांग के जवाब में, सभी कर्मचारियों का निलंबन रद्द करके सभी कर्मचारियों को मनपा सेवा में पुनः ड्यूटी पर वापस कर दिया गया। इसके बाद, सभी कर्मचारियों और भारतीय श्रमिक संघ ने महापौर नारायण चौधरी को फूलों का गुलदस्ता भेंट करके धन्यवाद दिया।

MCA कॉम्पिटिशन में भिवंडी का परचम

- **अद्वैत जाधव 'मैन ऑफ़ द मैच'**

भिवंडी. भिवंडी तालुका के समतानगर, पडघा के अद्वैत अमोल जाधव ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा ऑर्गनाइज़ किए गए मशहूर अंडर-12 'टैलेंट हंट' लेदरबॉल क्रिकेट कॉम्पिटिशन के फ़ाइनल मैच में 'मैन ऑफ़ द मैच' का अवॉर्ड जीता है। यह कॉम्पिटिशन कांदिवली के सचिन तेंदुलकर जिमखाना ग्राउंड में हुआ था।

अद्वैत जाधव ने पूरे कॉम्पिटिशन में शानदार परफ़ॉर्म किया, तीन मैचों में कुल 9 बैट्समैन को आउट किया और 120 रन बनाए। खास तौर पर, उन्होंने फ़ाइनल मैच में 3 विकेट लिए और 67 रन की मैच जिताने वाली पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। उनके ज़बरदस्त परफ़ॉर्मेंस की वजह से उन्हें 'मैन ऑफ़ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया। इस मौके पर उन्हें मेडल और वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले IPL मैच का टिकट देकर सम्मानित किया गया।

ग्रामीण इलाके से आए अद्वैत जाधव ने अपने खेल के दम पर शहरी कॉम्पिटिशन में अपनी पहचान बनाई है और भिवंडी तालुका का नाम रोशन किया है। इस सफलता के पीछे उन्हें भिवंडी तालुका क्रिकेट एसोसिएशन और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े कोच हुसैन सरगुरु, उमर हुसैन सरगुरु, अजय जायसवाल और कृष्ण केशरवानी का गाइडेंस मिला।

अद्वैत की इस उल्लेखनीय सफलता के लिए टी. ए. पाटिल इंग्लिश मीडियम स्कूल, पड़घा, लोकधारा प्रतिष्ठान, समाज विकास मंडल समता नगर और संयुक्त जयंती महोत्सव समिति, पड़घा संभाग सहित विभिन्न स्तरों से बधाई का तांता लगा हुआ है।

वार्ड नंबर 19 में पेंडिंग कामों की जांच करके उन्हें तुरंत पूरा किया जाए

- **महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने दिया आदेश**

ठाणे. मनपा के वार्ड नंबर 19 में रायलादेवी तालाब पर तुरंत सिक्योरिटी गार्ड की नियुक्ति की जाए, और स्कूल नंबर 32/126 में उर्दू मीडियम स्कूल, जो सिर्फ आठवीं क्लास तक है और जिसमें नौवीं और दसवीं क्लास की क्लास लगती हैं, उसकी जांच की जाए और वहां ओरिएंटल इंस्टीट्यूट की जगह की जांच की जाए कि वहां काम शुरू किया जा सकता है या नहीं। साथ ही, हाल ही में हुई एक मीटिंग में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने संबंधित डिपार्टमेंट को वार्ड में मानसून से पहले सभी ज़रूरी काम करने के निर्देश दिए थे। स्थानीय नगरसेवक विकास रेपाले, नम्रता भोसले,राजेंद्र फाटक, मीनल संखे ने वार्ड नंबर 19 में पेंडिंग कामों को लेकर मेयर शर्मिला पिंपलोलकर से मुलाकात की थी। मेयर ने इस बारे में संबंधित अधिकारियों की एक मीटिंग रखी। इस मीटिंग में डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, हाउस लीडर हनमंत जगदाले, एडिशनल कमिश्नर 1 संदीप मालवी,मनपा इंजीनियर प्रशांत सोनाग्रा,मनपा इंजीनियर मोहन कलाल, डिप्टी कमिश्नर मिताली संचेती, चीफ एनवायरनमेंट ऑफिसर मनीषा प्रधान, असिस्टेंट कमिश्नर राजेश सोनवणे, सभी लोकल कॉर्पोरेटर और अलग-अलग डिपार्टमेंट के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।इस मीटिंग में एजुकेशन, साफ-सफाई, सिक्योरिटी और ब्यूटीफिकेशन से जुड़े कई मुद्दों पर डिटेल में चर्चा हुई।

हजूरी में उर्दू स्कूल नंबर 32/126 के आंगन में हो रहे कंस्ट्रक्शन को हटाकर स्टूडेंट्स के लिए खुला मैदान बनाया जाए। साथ ही, आंगन से सटी बिल्डिंग के 3 फ्लोर ओरिएंटल स्टडीज इंस्टीट्यूट को और इस बिल्डिंग के दो फ्लोर उर्दू स्कूल को दिए जाएं ताकि उर्दू मीडियम के क्लास 9 और 10 के स्टूडेंट्स को पढ़ाई से वंचित न रहना पड़े, यह मांग नगरसेवक विकास रेपाले ने की। साथ ही नगरसेविका नम्रता भोसले ने सुझाव दिया कि ओरिएंटल स्टडीज इंस्टीट्यूट के कैंपस में खाली जगह है और वहां भी क्लासरूम बनाए जा सकते हैं। मेयर ने उस बिल्डिंग का इंस्पेक्शन करने और इस बारे में ज़रूरी एक्शन लेने के निर्देश दिए।

- **तालाबों से गाद हटाने के बारे में एक प्रपोज़ल तैयार किया जाए**

रायला देवी तालाब में बड़ी मात्रा में गाद है और इस गाद को हटाने का मुद्दा उठाया गया। इस समय मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और हाउस लीडर हनुमंत जगदाले ने कहा कि डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने ठाणे शहर की सभी तालाब से गाद हटाने के बारे में एक्शन लेने का निर्देश दिया है। इस बारे में मेयर ने इस मीटिंग में शहर की सभी तालाबों से गाद हटाने के बारे में एक जॉइंट प्रपोज़ल पेश करने का निर्देश दिया।

गुरुवार-शुक्रवार को ठाणे के कई क्षेत्रों में पानी नहीं

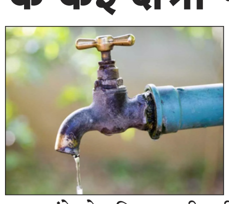

ठाणे. महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा किए जा रहे मेंटेनेंस और रिपेयर के काम की वजह से, ठाणे शहर के कुछ हिस्सों में 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी। यह शटडाउन गुरुवार, 7 मई को दोपहर 12 बजे से शुक्रवार 8 मई को दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगा।जांभूल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट रिज़र्वॉयर (HSR) में बारवी ग्रेविटी वेसल नंबर 1, 2 और 3 पर अपग्रेडेशन और अर्जेंट मेंटेनेंस और रिपेयर का काम किया जाएगा।इसके अलावा रूपादेवी पाड़ा, किसननगर नंबर 2, नेहरूनगर और कोलशेत खालचा गांव 24 घंटे के लिए बंद रहेंगे।पानी की सप्लाई फिर से शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी का प्रेशर कम रहने की संभावना है। इसलिए मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे ज़रूरत के हिसाब से पानी स्टोर करें और उसका कम इस्तेमाल करें। इस संदर्भ में प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग करने की अपील की है।

भिवंडी में प्री-मॉनसून नाले की सफ़ाई में देरी?

- **नाला सफ़ाई के लिए महासभा का इंतज़ार**
- **7 मई को महासभा के बाद ही कॉन्ट्रैक्ट पर आखिरी फ़ैसला**

भिवंडी. राज्य सरकार के साफ़ निर्देशों के बावजूद कि नाले और सीवर की सफ़ाई का काम मॉनसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा, भिवंडी मनपा में कॉन्ट्रैक्ट बांटने को लेकर अंदरूनी झगड़ों की वजह से नाले की सफ़ाई का काम अभी भी रुका हुआ है। इस वजह से, मॉनसून का मौसम आते ही शहर में बाढ़ आने का डर है।

हर साल की तरह इस साल भी नाले की सफ़ाई के कॉन्ट्रैक्ट देर से दिए जाने की संभावना है। इससे सफ़ाई का काम नाकाफ़ी होगा और शहर के निचले इलाकों में पानी भर जाएगा। अफ़सोस है कि लोगों की बार-बार शिकायत के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। लोग यह भी मांग कर रहे हैं कि खराब काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टर को दोबारा काम न दिया जाए।

कॉन्ट्रैक्ट को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ीं

महानगर पालिका ने इस साल सीवर और नाले की सफ़ाई पर करीब 2 करोड़ 92 लाख 99 हज़ार 574 रुपये खर्च करने की मंज़ूरी दी है। हालांकि, टेंडर प्रोसेस के लिए अभी महासभा की फाइनल मंज़ूरी नहीं मिली है, और इसके लिए 7 मई को आम सभा रखी गई है। कॉन्ट्रैक्ट पाने के लिए महापौर और जनप्रतिनिधियों के ऑफिस में कॉन्ट्रैक्टर की भीड़ लगी हुई है।

पिछले अनुभवों से नागरिक सशंकित

प्रशासनिक राज में करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से नाले की सफाई का काम हुआ था। फिर भी, कई इलाकों में पानी भरने से नागरिकों को बहुत नुकसान हुआ। इसलिए, नागरिकों में इस बात को लेकर संशय है कि क्या इस साल भी काम समय पर और क्वालिटी के साथ होगा।

महापौर ने समय पर काम पूरा करने का दावा किया

महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि प्रशासनिक और जनरल असेंबली की मंज़ूरी मिलते ही नाले की सफाई का काम तुरंत शुरू कर दिया जाएगा। इस साल इन कामों की पर्सनली मॉनिटरिंग की जाएगी और एक अलग टीम भी बनाई गई है। उन्होंने यह भी साफ किया कि कॉन्ट्रैक्टर को बिल का पेमेंट तभी किया जाएगा जब काम नियमानुसार और क्वालिटी के साथ पूरा होगा।

कारोबारी पर जानलेवा हमला

- **पांच के खिलाफ केस दर्ज**

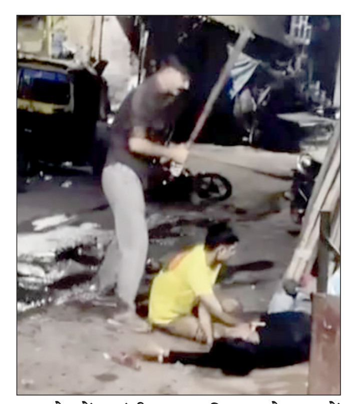

भिवंडी. भिवंडी शहर में एक सनसनीखेज आपराधिक घटना सामने आई है। गुरुवार देर रात एक रियल एस्टेट कारोबारी पर जानलेवा हमला किया गया। घायल कारोबारी का नाम कमरूजमा मोहम्मद शब्बीर शेख (उम्र 38) है। पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल की रात करीब 1:30 बजे शेख काम खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। तभी न्यू आजादनगर स्थित निजामी होटल के सामने पांच लोगों के एक समूह ने उन्हें रोक लिया।

बोरिंग का सामान चोरी करने के शक में आरोपियों ने अचानक हमला कर दिया और लोहे की रॉड से बेरहमी से पिटाई की। इस हमले में शेख के दोनों हाथ और पैर फ्रैक्चर हो गए हैं, जबकि सिर, पीठ और पेट पर गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत मुंबई के नायर अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में शांतीनगर पुलिस स्टेशन में कबरूद्दीन सिद्दीकी, अफसार सिद्दीकी, इमरान अंसारी, शहनवाज सिद्दीकी और आलम शेख के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोगों में भय बना हुआ है।

'राजनीति में महिलाओं के लिए गरिमा नहीं'

- **राहुल गांधी से शादी की अफवाह पर भड़कीं कंगना रनोट**
- **कहा- ये बेहद घटिया और शर्मनाक**

बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना रनोट राहुल गांधी के साथ शादी की अफवाहों पर भड़क गईं। दरअसल, एक मीम पेज ने राहुल गांधी और कंगना रनौत के नाम से एक आपत्तिजनक और फर्जी पोस्ट शेयर की थी। इस पर कंगना ने सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए ट्रोलर्स को जवाब दिया है। मीम पेज ने कंगना रनोट का एक कथित स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें दावा किया गया कि कंगना ने कहा है, 'अगर राहुल गांधी भाजपा में शामिल होते हैं, तो मैं उनसे शादी करने को तैयार हूं।' कंगना ने इस फर्जी पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया उन्होंने लिखा कि यह फर्जी खबर बेहद घटिया है।

कंगना ने अफसोस जताते हुए कहा कि राजनीति में भी अब महिलाओं के लिए कोई गरिमा नहीं बची है। उन्होंने इस तरह का झूठ फैलाने वालों को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें अपनी इन हरकतों पर शर्म आनी चाहिए। कंगना ने साफ किया कि वह ऐसी किसी भी ओछी हरकत को नजरअंदाज नहीं करेंगी।

'क्वीन 2' की तैयारी में व्यस्त

राजनीति के साथ-साथ कंगना अपने अभिनय करियर पर भी पूरा ध्यान दे रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अपनी फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल में नजर आएंगी। फिल्म के डायरेक्टर विकास बहल ने इसके लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। बताया जा रहा है कि कंगना के व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए फिल्म के लिए तीन महीने का एक बहुत ही टाइट शेड्यूल तैयार किया गया है, ताकि वह अपने संसदीय क्षेत्र और एक्टिंग के बीच तालमेल बिठा सकें।

दिलीप मिश्रा शिवसेना उबाठा के महानगर प्रमुख नियुक्त

उल्हासनगर। उल्हासनगर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार दिलीप मिश्रा को महानगर प्रमुख पद पर नियुक्ति की गई है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर की गई इस नियुक्ति को आगामी चुनावों से पहले संगठनात्मक मजबूती के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।दिलीप मिश्रा लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए एक सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के भीतर उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है, जो कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने और संगठन को जमीनी स्तर पर विस्तार देने की क्षमता रखते हैं। कार्यकारिणी में उपज़िला प्रमुख उल्हासनगर विधानसभा व महानगरपालिका क्षेत्र - राजेंद्र शाहू, महानगर प्रमुख - दिलीप मिश्रा, विधानसभा क्षेत्र प्रमुख - राजन वेलकर, विधानसभा क्षेत्र संगठक - कृष्णा पुजारी, शहरप्रमुख - शिवाजी जावळे, शहर संगठक - भगवान मोहिते आदि शामिल है।

ठाणे में 24 घंटे पानी कटौती: 7 मई दोपहर से सप्लाई बंद

ठाणे. ठाणे शहर के कई हिस्सों में 7 मई दोपहर से 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहने वाली है। यह कटौती 7 मई दोपहर 12 बजे से शुरू होकर 8 मई दोपहर तक जारी रहेगी, जिससे हजारों लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नगर निगम के अनुसार, यह पानी कटौती जरूरी मरम्मत और मेंटेनेंस कार्यों के चलते की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि इन कामों के जरिए जल आपूर्ति प्रणाली को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इस दौरान मुंब्रा, दिवा, कळवा, माजिवाड़ा-मनपाड़ा, वागले एस्टेट समेत कई इलाकों में पानी सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी या प्रभावित होगी। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे पहले से पानी स्टोर कर लें और जरूरत के हिसाब से ही इस्तेमाल करें। साथ ही, सप्लाई शुरू होने के बाद कुछ समय तक कम प्रेशर से पानी मिलने की भी संभावना जताई गई है।

पति ने पत्नी को दी यातनाएं

- **आधी रात घर आकर की मारपीट**
- **मानपाड़ा थाने में पति के खिलाफ केस दर्ज**

कल्याण. डोंबिवली में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिस पति पर परिवार की जिम्मेदारी होती है, उसी ने पैसों के लालच में अपनी पत्नी को नरक जैसी यातनाएं दीं। घर का गैस सिलेंडर और गहने बेचने के बाद भी जब उसका लालच खत्म नहीं हुआ, तो इस दरिंदे पति ने अपनी पत्नी पर गलत रास्ते से पैसे कमाने का दबाव बनाया और विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट की। इस सनसनीखेज घटना के बाद पीड़ित महिला ने पुलिस का सहारा लिया है।

पीड़ित महिला की शादी 2 साल पहले यश गुप्ता नाम के युवक से हुई थी। शादी के शुरुआती दिन अच्छे और खुशहाल थे, लेकिन धीरे-धीरे यश का व्यवहार बदलने लगा और उसने पैसों के लिए पत्नी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। कभी महिला की मां की बीमारी तो कभी अन्य पारिवारिक समस्याओं का बहाना बनाकर वह पत्नी पर मायके से पैसे लाने का दबाव डालता था।

पत्नी द्वारा कई बार पैसे लाकर देने के बावजूद यश का लालच कम नहीं हुआ। यश गुप्ता ने पत्नी को केवल मानसिक रूप से परेशान नहीं किया, बल्कि घर की आर्थिक स्थिति भी खराब कर दी। पैसे न मिलने पर उसने घर के कीमती गहने बेच दिए। इतना ही नहीं, घर का गैस सिलेंडर तक बेचने के लिए ले गया। जब पत्नी इसका विरोध करती, तो उसे तलाक की धमकी दी जाती थी। पैसों के जुनून में उसने पत्नी की सारी खुशियां छीन लीं और उसे घर में अकेला कर दिया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि यश गुप्ता रात करीब 3:15 बजे अपने दोस्त हर्षल देढे को लेकर उसके घर पहुंचा। उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह 'धंधा' करके पैसे कमाए।

पति की इस शर्मनाक मांग का जब महिला ने कड़ा विरोध किया,तब यश और उसका दोस्त हर्षल, दोनों ने मिलकर महिला की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। जब स्थिति बेकाबू होने लगी, तो महिला ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत पुलिस हेल्पलाइन पर फोन किया। पुलिस को सूचना दिए जाने की भनक लगते ही यश गुप्ता और हर्षल देढे वहां से फरार हो गए। इस अमानवीय घटना के बाद पीड़ित महिला ने मानपाडा पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए यश गुप्ता और हर्षल देढे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल दोनों आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

कल्याण में आटा चक्की में घुसकर मारपीट

कल्याण. साईबाबा नगर क्षेत्र में स्थित एक आटा चक्की में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसके बाद उसने कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित अवनीश दयानंद पांडे (25) ने बताया कि वह पिछले करीब तीन महीने से साई दर्शन फ्लोर मिल में काम कर रहा है और उसी जगह पर रह भी रहा था। घटना 3 मई की सुबह करीब 3.40 बजे की है, जब वह और उसका दोस्त रामबाबू मौर्य चक्की में सो रहे थे।

शिकायत के अनुसार, इसी दौरान कुछ लोग शटर पर नाम लेकर आवाज देने लगे। जब पीड़ित ने शटर खोला तो उसके परिचित आकाश पांडे और प्रदीप पांडे अपने दो अन्य साथियों के साथ नशे की हालत में वहां पहुंचे। आरोप है कि बिना किसी कारण के उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसके पेट और हाथ पर वार किया, साथ ही आटा चक्की में लगा मोटर कवर और सीलिंग फैन तोड़ दिया, जिससे काफी नुकसान हुआ।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099